



सत्यमेव जयते

झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 292 राँची, शुक्रवार, 9 वैशाख, 1938 (श०)
29 अप्रैल, 2016 (ई०)

पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग
(पर्यटन प्रभाग)

अधिसूचना

27 अप्रैल, 2016

संख्या - पर्य./यो.-23/2015 - 05-- झारखण्ड राज्य में किसी स्थल को पर्यटक स्थल या प्रक्षेत्र के रूप में घोषित/चिन्हित करने हेतु झारखण्ड पर्यटन स्थल (संरक्षण एवं रख-रखाव) अधिनियम, 2015 के धारा-3 के अन्तर्गत किए गए प्रावधान के आलोक में सम्यक विचारोपरान्त राज्य सरकार द्वारा झारखण्ड राज्य में किसी स्थल को पर्यटक स्थल या प्रक्षेत्र के रूप में घोषित/चिन्हित करने हेतु एक नियमावली (अंग्रेजी एवं हिन्दी) तैयार किया गया है, जो परिशिष्ट के रूप में संलग्न है ।

2. झारखण्ड राज्य में किसी स्थल को पर्यटक स्थल या प्रक्षेत्र के रूप में घोषित/चिन्हित करने हेतु उक्त नियमावली (अंग्रेजी एवं हिन्दी) को अधिसूचित किया जाता है ।
3. इस पर विभागीय मंत्री का अनुमोदन प्राप्त है ।
4. यह अधिसूचना झारखण्ड गजट में प्रकाशन की तिथि से लागू होगा ।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,
अविनाश कुमार,
सरकार के सचिव ।

पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग
झारखण्ड राज्य में किसी स्थल को पर्यटक स्थल या प्रक्षेत्र के रूप में चिन्हित करने हेतु
नियमावली

झारखण्ड राज्य में प्रचुर मात्रा में आकर्षक एवं मनोरम पर्यटन स्थल है जिस कारण काफी संख्या में पर्यटक इन स्थलों पर भ्रमण को आते हैं। इन स्थलों को 'पर्यटक स्थल या प्रक्षेत्र' के रूप में घोषित करने हेतु समय-समय पर विभिन्न स्रोतों से बहुत सारे अधियाचनाएँ विभाग को प्राप्त होते रहते हैं, परन्तु राज्य में किसी स्थल को 'पर्यटक स्थल या प्रक्षेत्र' के रूप में घोषित करने हेतु पूर्व में कोई नियमावली नहीं होने के कारण अब तक किसी भी स्थल को 'पर्यटक स्थल या प्रक्षेत्र' के रूप में घोषित नहीं किया जा सका है। किसी स्थल या प्रक्षेत्र को पर्यटक स्थल के रूप में घोषित करने की आवश्यकता एवं पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए तथा झारखण्ड पर्यटन स्थल (संरक्षण एवं रख-रखाव) अधिनियम, 2015 के धारा- 3 के अन्तर्गत किए गए प्रावधान के आलोक में यह नियमावली तैयार किया गया है, जो निम्नवत् है:-

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार एवं प्रारम्भ:-

- (1) यह नियमावली झारखण्ड राज्य में किसी स्थल को पर्यटक स्थल या प्रक्षेत्र के रूप में चिन्हित करने हेतु नियमावली कही जाएगी।
- (2) इसका विस्तार सम्पूर्ण झारखण्ड राज्य में होगा।
- (3) यह उस तारीख से प्रवृत्त होगा जो राज्य सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा इस निमित्त अधिनियमित करें।

2. परिभाषाएँ :- जबतक कि विषय या संदर्भ में कोई विरुद्ध बात न हो इस नियमावली में-

- (क) " प्रधान सचिव/सचिव" से अभिप्रेत है राज्य सरकार द्वारा सम्यक रूप से नियुक्त किसी विभाग का प्रधान सचिव/सचिव ;
- (ख) "उपायुक्त" से अभिप्रेत है राज्य सरकार द्वारा सम्यक रूप से नियुक्त जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त;

- (ग) "जिला पर्यटन प्रोत्साहन परिषद्" से अभिप्रेत है विभाग द्वारा पर्यटन के विकास से संबंधित कार्यों को करने हेतु जिला स्तर पर अधिसूचित परिषद ;
- (घ) "राज्य पर्यटन प्रोत्साहन परिषद्" से अभिप्रेत है विभाग द्वारा पर्यटन के विकास से संबंधित कार्यों को करने हेतु राज्य स्तर पर अधिसूचित परिषद;
- (ङ.) "विभाग" से अभिप्रेत है पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखण्ड, राँची ;
- (च) "पर्यटक" से अभिप्रेत है झारखण्ड राज्य में भ्रमण को आनेवाले तीर्थ यात्रियों, लोग या लोगो को समूह ;

3. पर्यटक स्थल या प्रक्षेत्र के रूप में घोषित करने की प्रक्रिया:-

- I. पर्यटक स्थल या प्रक्षेत्र के रूप में घोषित करने हेतु किसी भी माध्यम यथा जन आवेदन, संचार माध्यम या अन्य माध्यम इत्यादि से विभाग को प्राप्त होने वाला कोई भी प्रस्ताव संबंधित जिले के उपायुक्त को अग्रसारित कर दिया जाएगा। किसी स्थल या प्रक्षेत्र से संबंधित वैसे प्रस्ताव जो इस नियमावली के अधीन उपयुक्त समझा जाय को उपायुक्त स्वःप्रेरणा लेते हुए अवलोकनोपरांत सारी औपचारिकताओं को पूरा करते हुए प्रस्ताव विभाग को अग्रसारित कर सकते हैं।
- II. किसी स्थल या प्रक्षेत्र के पर्यटक स्थल या प्रक्षेत्र के रूप में पहचान या चिन्हित करने की सम्भावना पर विचार विमर्श करने हेतु प्राप्त सभी प्रस्तावों को जिला पर्यटन प्रोत्साहन परिषद (DTPC) के समक्ष रखा जायेगा।

4. स्थल या प्रक्षेत्र के चिन्हितीकरण हेतु सामान्य मापदण्ड:- किसी भी स्थल या प्रक्षेत्र का पर्यटक स्थल या प्रक्षेत्र के रूप में चिन्हितीकरण हेतु सामान्य मापदण्ड निम्नवत होंगे -

- I. स्थल या प्रक्षेत्र के पर्यटक स्थल या प्रक्षेत्र के रूप में महत्ता (पृष्ठभूमि एवं महत्ता का कारण)।

- II. पिछले तीन (03) वर्षों में उक्त स्थल पर राज्य, राज्य के बाहर तथा विदेश से भ्रमण करने आने वाले सैलानियों की संख्या।
 - III. उक्त स्थल का पूर्ववर्ती, ऐतिहासिक/धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व से संबंधित सभी सूचना।
 - IV. निकटतम रेल, रोड एवं जल मार्ग से उक्त स्थल का जुड़ाव।
 - V. पर्यटक स्थल या प्रक्षेत्र के रूप में विकसित या घोषित होने के उपरान्त पर्यटकों की संख्या में वृद्धि की संभावनाएँ (पर्यटकों के आने की प्रक्षेपण)।
 - VI. वर्तमान में उक्त स्थल में उपलब्ध संरचनाएँ - होटल, धर्मशालाएँ, निरीक्षण भवन, गेस्ट हाऊस, Revenue Rest Shed आदि से निकटता।
 - VII. उक्त संभावित स्थल के विकास हेतु समस्या मुक्त/अतिक्रमण मुक्त एवं आसानी से मिलने वाले सरकारी भूमि की उपलब्धता तथा इसका भविष्य।
 - VIII. जिला प्रशासन द्वारा उक्त स्थल के विकास के लिए पूर्व से उपलब्ध कराए जाने वाले निधियों का (Dovetailing) तथा अन्य स्रोतों से जैसे CSR, Donation इत्यादि से निधियों की प्राप्ति की संभावनाएँ।
 - IX. भविष्य में की जाने वाली सुविधाओं के रख-रखाव/रक्षा इत्यादि हेतु ट्रस्ट/बोर्ड/समिति की मौजूदगी।
 - X. संभावित क्षेत्र जहाँ से पर्यटकों के आने की संभावना है।
5. उक्त स्थल के संबंध में जिला पर्यटन प्रोत्साहन परिषद् (DTPC) की अनुशंसा प्राप्त होने के बाद संबंधित जिले के उपायुक्त उसे मंतव्य के साथ राज्य पर्यटन प्रोत्साहन परिषद् (STPC) के समक्ष विचार हेतु अग्रसारित करेंगे।

6. जिला पर्यटन प्रोत्साहन परिषद् (DTPC) द्वारा उक्त स्थल के संबंध में किये गये अनुसंशा के समीक्षोपरान्त राज्य पर्यटन प्रोत्साहन परिषद् (STPC) अपने मंतव्य सहित प्रस्ताव को सचिव, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखण्ड को अग्रसारित करेगा।
7. राज्य पर्यटन प्रोत्साहन परिषद् (STPC) द्वारा दिये गये अनुसंशा के आधार पर सचिव, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखण्ड द्वारा निर्णय लिया जायेगा एवं उक्त निर्णय अंतिम होगा।
8. सचिव, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखण्ड द्वारा लिये गये निर्णय के आलोक में किसी भी स्थल को पर्यटक स्थल या प्रक्षेत्र घोषित/अधिसूचित किया जायेगा ।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

अविनाश कुमार,
सरकार के सचिव ।

उपरोक्त अधिसूचना का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद झारखण्ड राज्यपाल के प्राधिकार से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायगा ।

DEPARTMENT OF TOURISM, ART CULTURE, SPORTS AND YOUTH AFFAIRS

RULES FOR IDENTIFICATION OF TOURIST PLACE OR ZONE IN JHARKHAND

Rules for Identification of Tourist Place or Zone in Jharkhand

There are so many places in our state which are much attractive and a lot of peoples come to visit these spots or sights. The Department has got so many demands to declare such places or zones as "Tourist Places or zones". But till now this could not be done as there is no rule to declare any place or zone as Tourist place or zone. So there is need to prepare a rule for the same. Seeing the tourism potentiality and necessity to declare a place as tourist place or zone and in exercise of the powers conferred upon by the Section 3 of The Jharkhand Tourist Places (Protection and Maintenance) Act, 2015 an elaborative rule is prepared which is as follows:-

1. Short title, extent and commencement –

- i. This Rule shall be called the Rules for Identification of Tourist Place or Zone in Jharkhand State.
- ii. It shall extend to the whole of the State of Jharkhand.
- iii. It shall come into force on such date as the State Government may, by notification in the official gazette, declare.

2. Definition - In this Rule unless contrary intention appears from the context :-

- a) **Principal Secretary/Secretary** means Principal Secretary/ Secretary of a Department of the State Government, duly appointed/specified by Government of the State.
- b) **Deputy Commissioner** means District Magistrate-cum-Deputy Commissioner of the District, duly appointed/specified by Government of the State.
- c) **District Tourism Promotion Council** means a council notified by the department at district level for doing Tourism related work/ activity.
- d) **State Tourism Promotion Council** means a council notified by the department at state level for doing Tourism related work / activity.

e) **Department** means Department of Tourism, Art Culture, Sports and Youth Affairs, Government of Jharkhand.

f) **Tourist** means a person or group of persons, including pilgrims visiting the State of Jharkhand, for the purpose of Tourism.

3. Process to declare Tourist Place or Zone -

- i. Any proposal for identification of any place or zone as Tourist Place or Zone received by the department by any means like public petition, through media etc., shall be forwarded to the concerning Deputy Commissioner of the district. The Deputy Commissioner may also suo moto process such proposals as he thinks fit under this Rule.
- ii. All such proposals shall be placed before District Tourism Promotion Council (so called thereafter DTPC) to consider the potential of the place for its identification as a Tourist Place or Zone.

4. General Criteria for identification / notification of tourist place :- General Criteria for identification of tourist place or zone will be as follows ;

- i) Importance of the site from Tourists/Visitors viewpoint (the main USP of the place)
- ii) Flow of Visitors – Flow of Tourists/Visitors to that particular place or zone within Jharkhand or from outside Jharkhand and foreign countries in the last three years.
- iii) For all historical / pilgrimage centers, the antecedents of the site. (How old is the site and its Cultural significance)
- iv) Connectivity available like nearest Rail head, Road & water route (distances).
- v) Possibility to increase the number of visitors if the place is identified and developed (Projection of tourist footfall).
- vi) Present infrastructure available – proximity to Tourist centre such as units like Hotels, Dharamasalas, Inspection Bhawan, Guest House, Revenue Rest Shed.
- vii) Availability of problem-free / encroachment-free admissible Government Land, for proposed site & its future development.
- viii) Dovetailing of funds already initiated by District administration for the development of the site and possibility of other sources of funding like CSR, Donation etc.

- ix) Existence of a Trust / Board / Committee for development of future upkeep of facilities.
 - x) Prospective Areas from where Tourists can be expected to come.
5. The recommendation of the DTPC shall be forwarded to State Tourism Promotion Council (so called thereafter STPC) by the Deputy Commissioner of the concerning district with his comments.
 6. The STPC after reviewing on the recommendation of DTPC shall forward the matter with its recommendation to the Secretary, Tourism, Art Culture, Sports and Youth Affairs, Jharkhand.
 7. The Secretary, Tourism, Art Culture, Sports and Youth Affairs, Jharkhand shall take decision on the recommendation of STPC and that decision shall be final.
 8. On the decision of the Secretary, Tourism, Art Culture, Sports and Youth Affairs, Jharkhand a place shall be notified as a Tourist Place or Zone.

By order of the Governor of Jharkhand,

Avinash Kumar,
Secretary to Government.
